

DPN 6600

स्तोत्र संग्रह STOTRA SANGRAHA

Title :

Run. No. 7325

Cat. No.

Micro. No.

Subject स्तोत्र Hymns.

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 15.7 x 8

Folios 13

Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place N huchhe Sundar

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Tuladhara

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

सूची - दशवत्सव, वन्दे श्री, मध्यगत, सिद्धिमुनि, सूर्यस्तव,

वत ॥ ६ ॥ रुक्मिणी
सुसुतलियुक्तं संशयवत्तु जातं सुनिर्दिष्टं इति
निर्दिष्टं ननु नाञ्च न साहचर्यं नो ॥ दिसरत्न ॥ २ ॥
मित्रं न कनां यदुक्तं न लीनं नो ज्ञायमानं लोकात्
न सौख्यं हं कदाचिन्मम नरुक्तं नो न सादृशं हि

नमः ॥ दसवत ॥ १० ॥ हिमसिद्धिमुदाहृतमथा
नानां क्रीडधकानि नरुजां गुरुत्रयसिद्धिना व
नरुद्रसिद्धिना सात्राधिकथनन ॥ दसवत ॥ ११ ॥
गजमुखदसनिकं सवधाविनकं नाज्जिघानमदवा
निष्ठयशायिनं दानयनिर्लायिभुनावात्रनिपा

नमः ॥ दसवत ॥ १२ ॥ अत्रसिद्धिमुसनिनाज्ज
सन्निकनात्रा नानविनदयत्मावमथाकायदं ना
निनयनननैथासुसायिभुनाकुमात्रा ॥ दसवत
॥ १३ ॥ असनवसनदिनानिलजाग्ननरुद्रनाव

हृदिविधविध्या नयानवध नद हृ उरय नानिमिदि
ना नयि नानायि सु ता ॥ दसवन ॥ १४ ॥ अथ यो
हि हृम हृ न्या वसा विद्या नाना द्या क न क न हृ विरि न्या
या स वानि क अं न्या यि अनि जय न स नां अं मादि ता कुयि
सु ता ॥ दसवन ॥ १५ ॥ अथ वन न क य न उ कु द न्या

नानि द्यादि वि विज न न्या वा ना क या ना न था नयि अ
थि अ न न स ना क्क नि वि तां न यि सु ता ॥ दसवन न व
॥ १६ ॥ अथ नानि धि म न्या भाद न ना ह ना शी म
नि क यि न तां द्या लसी तां मू धा वि तां स म स व रु न हि ना
वानि सां न यि सु ता ॥ दसवन ॥ १७ ॥ अथ नानि द

निविनीयतं ॥ वृद्धमवसंयवयुनमामिदिनदिन्य
 तुस्मानाकयुनमाहामनिअनसधमयन्यदयानिध
 यरुननागधयज्यै ॥ सांनितयानिसहजयन्यससूपा
 दिनंश्चनमयानन्यहलकाकिनयनरुधतुसुहस्यन
 दसवनानअभाधनयमानिका ॥ ज्ञानिजाज्ञशसंम्यक

संवृद्धरजनालकस्यदसवनामुवनामुनंसमाय ॥ ३ ॥
 ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
 रउंनमावधाय ॥ यंदआवजसलरुमनयनगुनसव
 वृधंरुवतंनानालयननननिसिनरुयहलनिसि
 लमयनसासंधुमाधनमनिनादिनगुनगुरुकुल

॥ ३ ॥

ॐ
श्री
गुरु
भ्यो
नमः

मंगलं वंजयतु ॥ सदा नंदय कन्ययुमसुखमय
दहि नाम कुरु ॥ ॐ ॥ जल्लानकादनिमिनाय कसताय
तुभासंधकानयिमिनाल गयड स्मील्लानयुकासय
नियजितविद्यध्यानं ॥ ॐ ॥ वज्रसल तुमसे न सि नमान
मामि ॥ जस्मीशुना शुभासुत्र न न न विद्या ॥ लंयात्रि

नारमलि नारमनासिनामनि त्वंसिधि साधन यु
शामाहानिदानं ॥ ॐ ॥ नाकनाथं यत्न नं स न नं युका
स्मी ॥ वृद्धं न नाकनाथं भाववल नमि नं यादि संसादि न
दिनं न विद्य ॐ सकन शु न धदि ॥ धर्म नाका जय कित
त्रि साभास धका ना ॥ कनिक यक म ना काम नालय ॐ

नं ॥ उच दसा कसि रुद्र नमि नसि नसा भव का नं नमा
मि ॥ हि का नासा वा नाथ क न नाथं सम यास मि ॥ जू मा
य यास मि ना ना ना क नाथं नमा मि ॥ ना क सि न सा नं जू
म ध सा ग नं जू मि ना वा कि नं वा दि ध सा मि य म सा त्रि
मा म कि ना य नि य दू म न ना ना नम सु स व द्वा ना जि नं

धनुष न त क ॥ स व द्वा य न य र्थ न ॥ धर्म धनु न मा
मि रुं ॥ नम स्का न्द्र तु न वि न तु स्का न्द्र रु य ना स न तु न
स वा तु न का नं सा हा का नं नमा मि रुं ॥ ॥ ॥
न मा व धाय ॥ म ध ग न वि द्वा य श्रु र्वा ना य न जि न ज न
सि रु मा स ना थ न न्ध न व रु ॥ नम सु नम सु य य जि न

पुष्प

यूवा के॥ नित्राय नानय नमिन्द न न स्व जीति॥ न सप्त द
॥ ४ ॥ संमान साल वचन सय सा ना दका न ना जय
सना द्विय कि न नाना॥ वा क्क म न न ध य वा जन सि धि यं
न॥ न स न द ॥ ५ ॥ य न य ग य नि यं नि न नं वाम
नादि॥ यूवां शुवा ज्यु न व द न य जि न नि नि नं य नाम

ज

सि न सानवम क ल दं ॥ न सान दा ॥ ७ ॥ संय न काव न
व म क य सान दा म ॥ या ना न म ल्य नि ॥ सान य य कि ना
नि म का दि वा के स न जि द नि सर्व य ना ॥ न सान दा ॥ ८
॥ इय व क य म न व रु दि न म न ल व स वी थ सा ध क इ न
शु ग नि ना म दं लं लान गी म्म रु द इ य वि ना स का नि ॥

नं सान दा स क र सि धि स दा न मा मि ॥ ९ ॥ न्नि सान
दा य ना सं स मा य ॥ १० ॥ न ना व धा य ॥ सि धि
मू नि ज न पा द य क ज गी य म धा नू वि वि न कं २
वा य स ल म ह स लः स य र्द र न न मा मि ह ॥ १ ॥
य ल प्पा नू प्पा ने र क क द्वा ने न दू ष वि ना स ल २

संय न काव न
वा य ना सं स मा य
मू नि ज न पा द य
वा य स ल म ह स लः
य ल प्पा नू प्पा ने

सा के सुनि न ज जा ग न ॥ स रं द रं ह्य य का भि न ॥ ५२
नू त्रि य क गं ल द नू त्रि य ना भे य दू गि त्रि न न ह्य न
२ ये ज कू ल क ल म हि ह यिः य व पू कू गि त्रि वि सृ तं
३ ॥ वि घू न वि सि लू महा पू कू न वि म ल नि ग
सु ल डि न २ न त्रि नि कू लू न ह्य ग य क कू न दि य

कू लू म ल हि न ॥ ५३ ॥ स क न य ल मा न स ह न द
नू त्रि ल म य दू ति ना जि न २ ह न म क ह्य न वि चिं
न ना नै ल य रं ह रं न नि वा सि न ॥ ५४ ॥ य व न
व यू कू न क रू ष ना स ह वि सा ल आ च न रं द रं
२ य नू न मू नू ति नि न वि न न क प्र कू न स रं

ॐ दनीन वरद सुखरित

नित ॥ ७ ॥ नाना क सुखरित न र चूत वन्य
काना ग क न र प क न स न नो ह न ॥ ८ ॥ नाना
मो ग य वे ज क कि न न म नू द म नि रि क वा सि
न र पु न र म म क वा कि क वि वि वि वि वि
हान व वि न ॥ ९ ॥ यत्न म वि न व स वि न

द आ न सा म न र दो द सा क ल वा य ना
यत्न धा नू वा गी ठ व न ॥ १० ॥ सान्नि का न व
॥ य ना ध य क पु नि नि वा सि न र म हा मा
नै नि, आ ना वि वी द रि क वा न प्र सा न क
॥ ११ ॥ यत्न मा नि र न ना म न नि नि ग व क

—
un

10



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१ ॥ वदन् कथयन् संकाशं लोके कुरुते हविर्न
प्रकरोति यत्नं ददति हविर्न पुनर्मासिद्धिः ॥ २ ॥
॥ आदिन मेव संकाशं सर्वं प्राकपि तां मह
हविर्मासिद्धिं यत्नं ददति हविर्न पुनर्मासिद्धिः ॥
३ ॥ वदन् कथयन् संकाशं लोके कुरुते हविर्न

पत्रे य म्पत्रस्तु न ल सुयो पु न मा मिहं ॥
५ ॥ ल सुयि विजाय नं न य वायु ना का म ह्य
व वा सुवे हं श्री जग न ना थ ल सुयो पु न मा मिहं
ज ॥ ल द व ना क कला य कि लि का न न स क न
६ ॥ न ज नू उ य न द व ल सुयो पु न मा मिहं ॥ १

सुषु मं सु ग का लं जग ज म वि व जि ग ग
म नि ग म द ल सु यो पु न मा मिहं ॥ १ ॥
नि म ल नि वि का न य नि वि का सु नि ग म य
ज ग थ ल जग न कला ल सु यो पु न मा मिहं
सु यो ना स्तु न य ल नि हं य ह वि दारि

